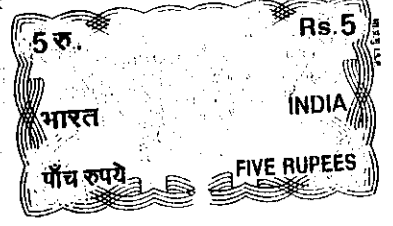
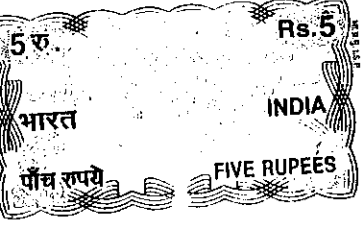
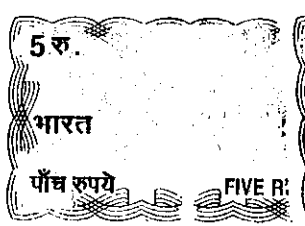
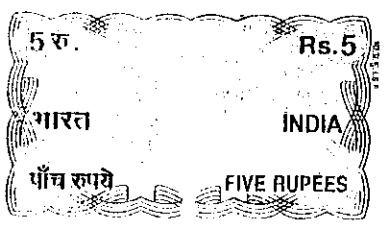


58
A-5161-4/16

न्यायलय श्रीमान् राजस्व मण्डल ~~महोदय~~ ~~के~~ ~~करीब~~



रामलखन पटेल पिता स्व. श्री सोताराम पटेल उम्र 68 वर्ष पेशा कृषि निवासी ग्राम
आरौरी तहसील रामपुर नैकिन जिला सोधे म. प्र. ————— अगोलाधी

बनाम.

आवेदन आभ्यासक
श्री आर.पी. पाटिल
प्रहारा किराणा
1-4-16

- 1- रफ़ीत सिंह उर्फ संजय सिंह पिता स्व. श्री लाल गंगा सिंह
- 2- बृजवासि पटेल पिता नर्मदा पटेल,
- 3- रामावतार पटेल पिता रामेश्वर पटेल कुमोर्
- 4- कमलेश्वर पटेल पिता भैयालाल पटेल
- 5- सुर्यभान सिंह गोड पिता होरलाल पटेल
- 6- पक्षभान पटेल पिता अयोध्या पटेल
- 7- हलैन्द्र शर्मा पिता बो. पो. शर्मा सभी निवासी ग्राम आरौरी तहसील
रामपुर नैकिन जिला सोधे म. प्र. ————— रेस्पाडेन्ट

अपील विरुद्ध न्यायलय श्रीमान् अपर अयुक्त रोवा
संभाग रोवा क्र प्रकरण क्रमांक 666 / अपो. 015-16
आदेशा दिनकि 17.03.016

B

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 44 §21 म. प्र. भू. रा.
संहिता 1959 ई०

मान्यवर,

अपील के संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :-

यह कि अगोलाधी रामलखन पटेल व रेस्पाडेन्ट बृजवासि पटेल रामलखन सुर्यभान
सिंह गोड रामेश्वर पटेल शिवमूरत पटेल रामावतार पटेल, कमलेश्वर पटेल, पक्षभान

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग-अ

प्रकरण क्रमांक 5161-दो/2016 ~~विषय~~ अपील

जिला- सीधी

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
6-4-17	<p>यह निगरानी अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के प्रकरण क्रमांक 665/2015-16 अपील में पारित आदेश दिनांक 17-3-16 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक श्री आर०पी० पाण्डे के प्रारंभिक तर्क सुने गये तथा उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्कों के प्रकाश में निगरानी मेमो के तथ्यों एवं अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के आदेश दिनांक 17-3-16 के अवलोकन पर पाया गया कि अनुविभागीय अधिकारी चुरहट ने प्रकरण क्रमांक 13 अं 74/10-11 में पारित आदेश दिनांक 20-1-11 से वाद विचारित भूमि के सम्बन्ध तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षक से मौके की जाँच कराकर बंदोवस्त के दौरान हुई त्रुटि सुधार के आदेश दिये हैं और आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के समक्ष अपील होने पर आदेश दिनांक 17-3-16 से अपील ग्राह्यता के स्तर पर निरस्त कर दी गई है, जबकि अपर आयुक्त का अपीलीय न्यायालय होने से दायित्व था कि अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख प्राप्त करके परीक्षण करते कि अधीनस्थ न्यायालय के प्रकरण की वास्तविक स्थिति क्या है ? और तदनुसार विचार करते</p>	

अपील प्रकरण क्रमांक 5161-दो/2016 ~~विद्यमान~~

हुये निर्णय लेते, किन्तु उन्होंने ऐसा न करते हुये अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख देखे बिना अपील निरस्त करने में त्रुटि की है, जिसके कारण अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 666/2015-16 अपील में पारित आदेश दिनांक 17-3-16 दोषपूर्ण होने से स्थिर रखे जाने योग्य नहीं हैं

4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी आंशिक रूप से स्वीकार की जाकर अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 666/2015-16 अपील में पारित आदेश दिनांक 17-3-16 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किया जाता है तथा प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाता है कि वह अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख प्राप्त कर हितबद्ध पक्षकारों को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देते हुये अपील प्रकरण में गुणदोष के आधार पर पुनः आदेश पारित करें।


सदस्य

Pi